

विविधता, समानता और सर्व-समावेश (DEI) हेतु हमारी प्रतिबद्धता

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की स्थापना एक स्पष्ट सिद्धांत पर हुई थी: यह कि दुनिया भर के सभी लोग, वे चाहे कहीं भी हों, उनकी पहचान कुछ भी हो या उनकी स्थितियां जैसी भी हों, सभी को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए। हम एक ऐसे भविष्य के लिए काम कर रहे हैं जो सभी के लिए पहले से ज्यादा विविध, समान और समावेशी हो। हम ऐसे भविष्य को तभी हासिल कर सकेंगे, जब लोगों को अच्छा स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा परिणाम और गरीबी से उबरकर आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे - जो नस्ल, लिंग या अन्य मानवीय अंतर जैसे तत्वों से अप्रभावित रहेंगे।

हम अभी अपने लक्ष्य से दूर हैं। नस्ल भेद, लैंगिक भेद और अन्य दूसरे भेदभाव, वैश्विक समुदाय के हर पहलू और हर कोने में नज़र आते हैं। समाजसेवा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। ज्यादा से ज्यादा विविधता, समानता और आवाज़ों, विचारों और तरीकों का समावेश करके ही हम एक बेहतर जीवन पाने में सभी लोगों की मदद कर पाएंगे।

दुनिया के सबसे बड़े निजी फाउंडेशन के तौर पर हम अपने बड़े विशेषाधिकार और बड़ी ज़िम्मेदारी दोनों को बखूबी समझते हैं। हम मानते हैं कि हमारे काम में बुनियादी रूप से शक्ति का असंतुलन है। लैंगिक समानता के क्षेत्र में अपने काम को आगे बढ़ाते हुए और अन्य संस्थाओं, जिन्होंने अपने तरीके से DEI को अपनाया है, उन्हें सुनते और उनसे सीखते हुए, हमें अपनी संस्कृति और कार्य प्रणाली को बेहद गौर से देखने की जरूरत है। चूंकि ज्ञान ज़रूरी है लेकिन अपर्याप्त है, इसीलिए हम अपने अनुभवों पर अमल करने का वादा करते हैं, जिससे व्यापक असर और बेहतर नतीजे मिल सकें।

हमारे फाउंडेशन की तीन प्राथमिकताएं हैं - सबसे पहले प्रभाव निर्माण करना, जो कि हमारे कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों के ज़िंदगियों को बचा कर और उन्हें बेहतर बना कर होगा। दूसरी प्राथमिकता है एक ईमानदार संस्कृति और तीसरी प्राथमिकता एक वैश्विक फाउंडेशन के रूप में काम करने की भावना। **हमारे सभी कामों में विविधता, समानता और समावेश को अपने बुनियादी आदर्श के तौर पर अपनाए बिना, हम इनमें से कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते।**

हम:

1. दुनिया पर जो प्रभाव डालना चाहते हैं, उसे तभी प्राप्त कर सकते हैं, जब अपने सहयोगियों और उन समुदायों को गंभीरता से सुनें जिनके बीच वे काम करते हैं। हमें उनमें निवेश करना होगा और उनकी आवाज़ उठा कर उनके विचारों को जगह देनी होगी।
2. एक ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें हर पृष्ठभूमि, आवाज़, भूमिका और योगदान को पहचान के साथ अहमियत भी मिले।
3. ऐसी कार्यशैली को बढ़ावा दें जिससे हमें एक वैश्विक और सांस्कृतिक विविधता वाली वर्कफोर्स तैयार करने में मदद मिले। जो अपनी बेहतरीन क्षमता का प्रदर्शन करने में पूरी तरह सशक्त और समर्थित हो।
4. विविध और समावेशी टीम विकसित करने, समानतापूर्ण और पारदर्शी ढंग से फैसले लेने और समावेशी व्यवहार को आकार देने के लिए लीडर्स को जवाबदेह ठहराएं।

अपने इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करते हुए हम अपने इस विज़न को भी ध्यान में रखेंगे - हर व्यक्ति को स्वस्थ और उत्पादक जीवन जीने का मौका मिले। हमारे संस्थान और पूरी दुनिया में हर व्यक्ति के साथ पूरी गरिमा, इंसानियत और सम्मान के साथ पेश आया जाए।